## Bemorrat and sentind.

## NEW SERIES.

|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

## , <br> -

EBBNSBURG, AUGUSTP 1, 1855.

YOL. 2. NO. 41.




|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

## the

\section*{

##  <br> 


















## 





 What dit jon not makt obor thioe






##   <br>        







## 

 YKut you shall have them, said Fraok withanimation, anid motioning to Jo to do the same, be turned his biack to the ledies, took
of his shoes, puliled puphis trowsera ax high
as he could, and waded through mud and me.
and

$$
\begin{aligned}
& \text { their obligation to him, and their plessure at } \\
& \text { the addition theyhad gained to their botanieal } \\
& \text { treasures. }
\end{aligned}
$$ Noty













## 2watat

an ogreat man. he would noe refore bo

